1000213 - C1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - X
कक्षा - X

HINDI
हिन्दी

(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. नीलांबर परिधान हरित पट पर सुंदर है,
सूर्य-चंद्र युग-मुकुट, मेखला रत्नाकर है,
नदियाँ प्रेम-प्रवाह, फूल तारे मंडल हैं,
बंदीजन खग-वृंद, शेषफन सिंहासन है,
करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेष की,
हे मातृभूमि! तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की।

जिसकी रज में लोट-लोट कर बड़े हुए हैं,
घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं,
परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए,
जिसके कारण 'धूल भरे हीरे' कहलाए
हम खेले-कूदे हर्षयुक्त, जिसकी प्यारी गोद में।
हे मातृभूमि! तुझको निरख, मग्न क्यों न हों मोद में।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(क) 'परिधान' का पर्यायवाची शब्द है : **1**

(i) जल (ii) अम्बर
(iii) हवा (iv) आकाश

(ख) काव्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है : **1**

(i) माता (ii) जन्मदात्री
(iii) जननी (iv) जन्मभूमि

(ग) शेषफन सिंहासन में अलंकार है : **1**

(i) रूपक (ii) उपमा
(iii) उत्प्रेक्षा (iv) अनुप्रास

(घ) मातृभूमि का गुणगान करते रहते हैं : **1**

(i) सूर्य (ii) रत्नाकर
(iii) चन्द्रमा (iv) खगवृन्द

(ङ) 'सर्वेश' शब्द का सही विकल्प है : **1**

(i) सर्व + एश (ii) सर्व + ईश
(iii) सर्व + इश (iv) सर्वे + श

2. जन्म दिया माता–सा जिसने, किया सदा लालन–पालन,
जिसके मिट्टी–जल से ही है रचा गया हम सबका तन।
गिरिवर नित रक्षा करते हैं, उच्च उठा के श्रृंग महान,
जिसके लता द्रुमादिक करते हमको अपनी छाया दान।
माता केवल बाल–काल में निज अंक में धरती है,
हम अशक्त जब तलक तभी तक पालन पोषण करती है।
मातृभूमि करती है सबका लालन सदा मृत्यु पर्यंत,
जिसके दया–प्रवाहों का होता न कभी सपने में अंत।
मर जाने पर कण देहों के इसमें ही मिल जाते हैं,
हिंदू जलते, यवन–ईसाई शरण इसी में पाते हैं।
ऐसी मातृभूमि मेरी है स्वर्गलोक से भी प्यारी,
उसके चरण–कमल पर मेरा तन–मन–धन सब बलिहारी ।।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प चुनकर लिखिए : 5

(क) यवन ईसाई शरण इसी में पाते है– का अभिप्राय है : **1**

(i) यहाँ सभी धर्म स्वतंत्रता पूर्वक रहते हैं
(ii) यहाँ सभी धर्म शान्ति पूर्वक रहते हैं
(iii) कोई भी हो मरने पर उसे यहीं शरण मिलती है
(iv) उपर्युक्त सभी

(ख) 'श्रृंग महान' शब्द किसका प्रतीक है : **1**

(i) हिमालय का (ii) सिंह का
(iii) सींग का (iv) रक्षक का

(ग) हम सबका शरीर किससे बना है : **1**

(i) मिट्टी–जल (ii) लालन–पालन
(iii) दोनों से (iv) किसी से नहीं

(घ) 'चरण कमल' में प्रयुक्त अलंकार है : **1**

(i) उपमा (ii) रूपक
(iii) उत्प्रेक्षा (iv) मानवीयकरण

(ङ) 'मृत्युपर्यन्त' में समास है : **1**

(i) तत्पुरूष (ii) द्विगु
(iii) अव्ययीभाव (iv) द्वन्द्व

3. जीवन में अच्छा मित्र और अच्छा पड़ोसी सौभाग्य से ही मिलते हैं। अच्छा पड़ोसी मिल जाए तो जीवन का सफर एक-दूसरे के सुख-दुःख बाँटते हुए सरलता से तय हो जाता है। यदि पड़ोसी कटु, निष्ठुर और शक्की स्वभाव के मिल गए तो समझो प्रतिदिन लंका कांड या महाभारत हुई। इसके बाद मारपीट, पुलिस, थाना, कचहरी-जीना मुश्किल हो जाता है। मैं जिस क्षेत्र में रहता हूँ, उस क्षेत्र के सभी निवासी सरकारी कर्मचारी हैं। सभी लोग सुशिक्षित हैं। उनके रहन-सहन, उठने-बैठने तथा बातचीत करने के ढंग से सौम्यता टपकती है। सभी अपने-अपने कार्यों में व्यस्त रहते हैं। लेकिन जब भी वे अपने घरों से बाहर निकलते हैं तो परस्पर अभिवादन करना नहीं भूलते। अवसर मिलने पर या कोई कार्य होने पर कुछ न कुछ बातचीत अवश्य करते हैं। इस प्रकार पारस्परिक संवाद प्रायः सभी में है। यह बात अलग है कि घर की स्त्रियों में प्रगाढ़ता कुछ अधिक दिखाई देती है। मेरे पड़ोसी का परिचय इस प्रकार है। मेरे सामने वाले क्वार्टर में प्रवीण राय रहते हैं। ये बंगाली हैं। सरकारी कार्यालय में राजपत्रित अधिकारी हैं। बड़े सौम्य और मृदुभाषी हैं। हम सभी मिलकर तीज़-त्योहारों को हँसी-खुशी मनाते हैं। होली हो या दीवाली अथवा दुर्गा पूजा, दोनों पड़ोसी मिल-जुलकर बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। वास्तव में सच्चा और अच्छा पड़ोसी मिलना बहुत कुछ सौभाग्य पर तो निर्भर है ही, कुछ आपके अपने व्यवहार एवं स्वभाव पर भी आधारित है। हमें अच्छा पड़ोसी बनने का सदा प्रयास करना चाहिए। **5**

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(क) 'सुख-दुःख' में समास है : **1**

(i) द्विगु (ii) द्वन्द्व

(iii) तत्पुरूष (iv) कर्मधारय

(ख) लंका काण्ड या महाभारत प्रतीक है : **1**

(i) झगड़ा (ii) युद्ध

(iii) नित्य लड़ाई झगड़ा (iv) इनमें से कोई नहीं

(ग) 'पारस्परिक' का सही विकल्प होगा : **1**

(i) परस्परा + इक (ii) पारस्पर + इक

(iii) परस्पर + इक (iv) पार + स्परिक

(घ) लेखक का पड़ोसी हैं : **1**

(i) दुष्ट (ii) वाचाल

(iii) सौम्य एवं मृदुभाषी (iv) कर्मचारी

(ङ) अच्छा पड़ोसी मिलना निर्भर करता हैं : **1**

(i) सौभाग्य (ii) अपने व्यवहार

(iii) दोनों पर (iv) किसी पर नहीं

4. वाणी एक अनमोल वरदान है। कोयल अपनी मीठी वाणी से सबका मन हर लेती है, जबकि कौए की काँव-काँव किसी को अच्छी नहीं लगती। वाणी के बिना सब कुछ सूना है। मीठी वाणी का प्रभाव बहुत व्यापक होता है। मीठी वाणी से सभी कार्य सिद्ध हो जाते हैं। मधुर बोलने वाले का समाज में बहुत आदर होता है। मधुरभाषी के मुख से निकला एक-एक शब्द सुनने वाले के मन को लुभाता है। उसके संपर्क में आने वाला व्यक्ति उसके वश में हो जाता है। मीठी वाणी केवल सुनने वाले को ही आनंदित नहीं करती वरन् बोलने वाले को भी आनंद पहुँचाती है। तुलसी ने कहा है- 'मीठे वचन तैं सुख उपजत चहुँ ओर'। मृदुभाषी समाज में सद्भावना का प्रसार करता है। कटु भाषा बोलने वाले को अनेक प्रकार की हानियाँ उठानी पड़ती हैं। ऐसे व्यक्ति के लिए ही कहा गया है- खीरा का मुँह काट कै, मलियत नौन लगाय। रहिमन कड़वे मुखन कौ, चहियत यही सजाय।। कटु भाषा का प्रयोग काम को बिगाड़ देता है। जहाँ मधुर वाणी अमृत है, वहीं कटु वाणी विष है। कहा भी कहा गया है- 'मधुर वचन है औषधि, कटुक वचन है तीर'।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(क) कोयल और कौए में अन्तर का आधार है उनकी : **1**

(i) रंग (ii) वाणी

(iii) व्यवहार (iv) कर्म

(ख) सभी कार्य वाणी से हो जाते हैं : **1**

(i) सफल (ii) विफल

(iii) द्रोनों (iv) कोई नहीं

(ग) मृदु बोलने वाले से समाज में बढ़ती हैं : **1**

(i) दुर्भावना (ii) भय

(iii) सद्भावना (iv) अनेकता

(घ) रहीम ने कड़वे वचन बोलने वाले को क्या सजा देने की सलाह दी है : **1**

(i) खीरे की तरह सिर काट कर नमक लगाना

(ii) मुँह काट कर खीरा बनाना

(iii) इनमें से कोई नहीं

(iv) प्यार से समझाना

(ङ) मधुर वचनों और कटु वचनों की समता दी गई है : **1**

(i) औषधि, तीर (ii) औषधि, नमक

(iii) नमक, कौआ (iv) कौआ, कोयल

खण्ड 'ख'

5. (क) 'रमेश चला गया था' वाक्य में प्रयुक्त क्रिया के भेद का सही विकल्प है : 1

(i) सकर्मक (ii) द्विकर्मक

(iii) अकर्मक (iv) अपूर्ण

(ख) 'तुमने अच्छी कविता लिखी हैं' वाक्य में प्रयुक्त क्रिया के भेद का सही विकल्प है : 1

(i) सकर्मक (ii) अकर्मक

(iii) द्विकर्मक (iv) मुख्य

(ग) 'उसने तुमको संदेश भेजा है' वाक्य में प्रयुक्त क्रिया के भेद का सही विकल्प है : 1

(i) अकर्मक (ii) अपूर्ण

(iii) सकर्मक (iv) द्विकर्मक

(घ) 'वह गाता चला जा रहा था' वाक्य में प्रयुक्त क्रियाओं में मुख्य क्रिया का सही विकल्प है : 1

(i) गाता (ii) चला

(iii) जा (iv) रहा था

6. (क) 'उसने राम को पुकारा था' वाक्य में प्रयुक्त क्रिया के भेद का सही विकल्प है : 1

(i) अकर्मक (ii) द्विकर्मक

(iii) संयुक्त (iv) अपूर्ण

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में से सकर्मक क्रिया के प्रयोग का सही विकल्प नहीं है : 1

(i) वह रात भर रोया। (ii) उसने खाना खाया था।

(iii) उसने गीत सुने। (iv) तुमने उसे बुलाया।

(ग) 'रमेश चिल्ला रहा था' रेखांकित क्रिया भेद का सही विकल्प है : 1

(i) संयुक्त (ii) सहायक

(iii) अपूर्ण (iv) सकर्मक

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से एक कर्मक क्रिया भेद का सही विकल्प है : 1

(i) उसने रात को दही खाया था। (ii) उसने मारा था।

(iii) वह ज़ोर से चिल्ला उठा। (iv) रमा ने हरी को आवाज लगाई थी।

7. (क) निम्नलिखित क्रियाओं में अकर्मक क्रिया का सही विकल्प है : 1

(i) गया (ii) भेजा

(iii) तोड़ा (iv) खाया

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में किस वाक्य में सहायक क्रिया का प्रयोग नहीं हुआ है : 1

(i) वह हंसा। (ii) वह चला था।

(iii) वे हंस पड़े थे। (iv) राम गाता था।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त क्रिया प्रयुक्त न होने वाले वाक्य का सही विकल्प हैं : **1**

(i) वह नाचता रहा है। (ii) खाते ही रहते थे।

(iii) वे अचानक बोले। (iv) तुमने क्या कहा था?

(घ) 'पढ़कर सो जाना चाहिए' वाक्य में सहायक क्रिया भेद का सही विकल्प है : **1**

(i) पढ़कर (ii) सो

(iii) जाना (iv) जाना चाहिए

8. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त विशेषणों के भेद के सही विकल्प को चुनकर लिखिए :

(क) प्यासी धरती करे पुकार **1**

(i) गुणवाचक (ii) सार्वनामिक

(iii) संख्यावाचक (iv) परिमाणवाचक

(ख) तुम्हारा भाई कहाँ है। **1**

(i) गुणवाचक (ii) सार्वनामिक

(iii) संख्यावाचक (iv) परिमाणवाचक

(ग) थोड़े से चावल लेते चलो। **1**

(i) अनिश्चित परिमाणवाचक (ii) निश्चित परिमाणवाचक

(iii) अनिश्चित संख्यावाचक (iv) निश्चित संख्यावाचक

(घ) कुछ जानवर पकड़ लिए गए। **1**

(i) सार्वनामिक

(ii) अनिश्चित सार्वनामिक

(iii) गुणवाचक

(iv) संख्यावाचक

9. नीचे दिए गए वाक्यांशों के रिक्त स्थानों को विकल्पों में दिए गए क्रिया विशेषणों से पूरा करने के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए :

वह बहुत ___(क)___ दौड़कर गया लेकिन ___(ख)___ समय पर नहीं पहुँचा। फिर भी उसे ___(ग)___ बुलाया है ताकि वह ___(घ)___ बैठ सके।

(क)	(i)	आकर	(ii)	तेज़	(iii)	ऊपर	(iv)	नीचे	**1**
(ख)	(i)	अचानक	(ii)	धीरे	(iii)	वहाँ	(iv)	जल्दी	**1**
(ग)	(i)	फिर से	(ii)	कल से	(iii)	परसो	(iv)	आज ही	**1**
(घ)	(i)	साइकिल से	(ii)	जल्दी से	(iii)	अन्दर	(iv)	से दूर	**1**

खंड 'ग'

10. किंतु, खेतीबारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन, भगत साधु थे– साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरनेवाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो–टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी–कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता!– कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते! वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज़ 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते– जो उनके घर से चार कोस दूर पर था– एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में 'भेंट' रूप रख लिया जाकर 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुज़र चलाते!

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प चुनकर लिखो :

(क) भगत जी किसकी कसौटी पर खरे उतरने वाले थे? **1**

(i) गृहस्थ (ii) साधु

(iii) महापुरूष (iv) सभी की

(ख) दो टूक बात करने का अभिप्राय है : **1**

(i) साफ–साफ स्पष्ट बात करना (ii) चाटुकारिता करना

(iii) बहुत बोलना (iv) साफ मना करना

(ग) कबीरपंथी का अर्थ है : **1**

(i) कबीर को मानने वाला (ii) कबीर सम्प्रदाय का अनुयायी

(iii) कबीर के पद गाने वाला (iv) कबीर के उपदेश देने वाला

(घ) 'संकोच' में उपसर्ग है : **1**

(i) सं (ii) सम्

(iii) संक (iv) संको

(ङ) 'बारीकी' में प्रत्यय है : **1**

(i) इकी (ii) ई

(iii) ईकी (iv) की

अथवा

गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर, ज़रा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफ़ेद पोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताज़े–चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे–जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हों। नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया। हमने भी उनके सामने की बर्थ पर बैठकर आत्मसम्मान में आँखें चुरा लीं।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्पों का चयन कीजिए : 5

(क) 'निर्जन' का अर्थ है : **1**

(i) खाली (ii) जन से रहित

(iii) अकेला (iv) शून्य

(ख) 'आँखें चुरा लेना' मुहावरे का अर्थ है : **1**

(i) आँखें फेर लेना (ii) बन्द आँखें करना

(iii) आँखें गड़ाना (iv) आँखें चार करना

(ग) सज्जन कैसे थे? **1**

(i) नवाबी नस्ल के (ii) सफ़ेद पोश

(iii) लखनऊ के (iv) उपरोक्त सभी

(घ) नवाब साहब को संकोच हो सकता है : **1**

(i) किसी के अचानक कूद जाने का

(ii) किसी के देखने का

(iii) खीरे जैसे अपदार्थ वस्तु के प्रयोग करते देखे जाने का

(iv) किसी का भी नहीं

(ङ) लेखक को सज्जन की आँखों में दिखा : **1**

(i) क्रोध (ii) शान्ति

(iii) उत्साह (iv) असन्तोष

11. कहीं साँस लेते हो,
घर-घर भर देते हो,
उड़ने को नभ में तुम
पर-पर कर देते हो,
आँख हटाता हूँ तो
हट नहीं रही है।
पत्तों से लदी डाल
कहीं हरी, कहीं लाल,
कहीं पड़ी है उर में
मंद-गंध-पुष्प-माल,
पाट-पाट शोभा-श्री
पट नहीं रही है।

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के समुचित उत्तर दो : 5

(क) कवि एवं कविता का नाम लिखों। **1**

(ख) घर-घर में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखो। **1**

(ग) डाल की क्या विशेषता है। **1**

(घ) पाट-पाट शोभा-श्री का भाव स्पष्ट करो। **1**

(ङ) आँख न हटने का क्या कारण है ? **1**

अथवा

फटिक सिलानि सौं सुधार्‌यौ सुधा मंदिर,
उदधि दधि को सो अधिकाइ उमगे अमंद।
बाहर ते भीतर लौं भीति न दिखैए 'देव',
दूध को सो फेन फैल्यो आँगन फरसबंद।
तारा-सी तरुनि तामें ठाढ़ी झिलमिली होति,
मोतिन की जोति मिल्यो मल्लिका को मकरंद।
आरसी से अंबर में आभा सी उजारी लगै,
प्यारी राधिका को प्रतिबिंब सो लगत चंद ॥

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के समुचित उत्तर लिखिए : 5

(क) बाहर से भीतर तक क्या दिखाई पड़ रहा है। **2**

(ख) तारा सी तरुनि तामें ----- पंक्ति में अलंकार बताइए। **1**

(ग) कविता में किस समय का वर्णन है? कैसा सौन्दर्य हैं ? **2**

12. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दो : **2x5=10**

(क) हालदार साहब क्या बार-बार सोचते और क्यों?

(ख) भगत जी की वेशभूषा पर प्रकाश डालिए।

(ग) चश्मे वाला बार-बार चश्मा क्यों बदल देता था?

(घ) भगत जी ने बेटे की मृत्यु के बाद क्या किया?

(ङ) नवाब साहब ने खीरे की फाँकों के साथ क्या प्रक्रिया की?

13. प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर लिखो :

(क) कवि ने बादल को क्या-क्या कहा है और क्यों? **2**

(ख) आत्मकथा कविता की भाषा पर प्रकाश डालिए। **1**

(ग) उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की गई है? **2**

14. पिता के आ जाने पर भोलानाथ और उसके मित्र खेल छोड़ कर क्यों भाग जाते थे? **5**

अथवा

'और देखते-देखते नई दिल्ली का काया पलट होने लगा' आपके अनुसार क्या-क्या प्रयत्न किये गये होंगे?

खण्ड 'घ'

15. सादा जीवन उच्चविचार की सलाह देते हुए छात्रावास में रहने वाले अपने छोटे भाई को पत्र लिखों। **5**

अथवा

अपने क्षेत्र में पुलिस गस्त बढ़ाने हेतु अपने क्षेत्र के पुलिस अधिकारी को पत्र लिखों–

16. संकेत बिन्दुओं को आधार बनाकर किसी एक विषय पर निबन्ध लिखो– **5**

(क) विदेशी मित्र की देशी यात्रा

मित्र का परिचय – भारत आना – स्थान दिखाना – दर्शनीय – स्थलों का परिचय – पहाड़ी यात्रा का कार्यक्रम – इतिहास परिचय – उपसंहार

(ख) विज्ञापन की दुनिया

विज्ञापन – उद्देश्य – प्रकार – लाभ – दोष – संस्कृति पर प्रभाव – सुझाव – उपसंहार

- o O o -